अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 6 अक्टूबर 2025
आश्विन शुक्ल-चतुर्दशी
विक्रम संवत् 2082

PAGE NO : 05 BOTTOM

सिर्फ प्रेम और अहिंसा से होगा नफरत का अंत

बरेली। महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार को गगनिक सांस्कृतिक समिति, शाहजहांपुर ने भावपूर्ण नाटक 'हमारे बापू' का मंचन किया। यह नाटक देश के विभाजन और दंगों की विभीषिका पर आधारित है, जो गांधीजी की विचारधारा 'नफरत का अंत केवल प्रेम और अहिंसा से हो सकता है' का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है।

राजेश कुमार के लिखित और कप्तान सिंह 'कर्णधार' के निर्देशित इस नाटक के मुख्य पात्र गांधीजी के अनुयायी पंडित तारकेश्वर पांडेय हैं, जो दंगों में अपना पुत्र खो देते हैं। शोकाकुल अवस्था में वे गांधी जी के पास पहुंचते हैं। गांधीजी उन्हें समझाते हैं कि प्रतिशोध का मार्ग छोड़कर यदि वे सचमुच शांति चाहते हैं, तो एक मुस्लिम अनाथ बालक को गोद लेकर उसका पालन-पोषण उसी धर्म-रीति से करें।

हमारे बापू नाटक का मंचन

नाटक का मंचन करते कलाकार। स्रोत : संस्था

तारकेश्वर छोटे आफताब को गोद ले लेते हैं। आफताब बड़ा होकर भटककर आतंकवाद की ओर जाता है, तब अंततः वह पिता की सीख को याद करता है और लौटकर क्षमा मांगता है, लेकिन कट्टरपंथियों की गोली से अपने बेटे को बचाने के लिए तारकेश्वर प्राण न्यौछावर कर देते हैं। उनके अंतिम शब्द गूंजते हैं 'नफरत की जड़ को केवल प्रेम ही काट सकता है'।

यही गांधी का सत्य है। यही इंसानियत है। भावनाओं और करुणा से भरे इस नाटक ने दर्शकों बांध लिया। नाटक में गांधी की भूमिका संजीव राठौड ने निभाई। नाटक के निर्देशक कप्तान सिंह 'कर्णधार' ने स्वयं तारकेश्वर की भूमिका निभाई। मो. फाजिल खान (आफताब) ने निभाई है।

इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, सुभाष मेहता, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. आशीष कुमार, डा. रीता शर्मा आदि मौजूद रहे। संवाद